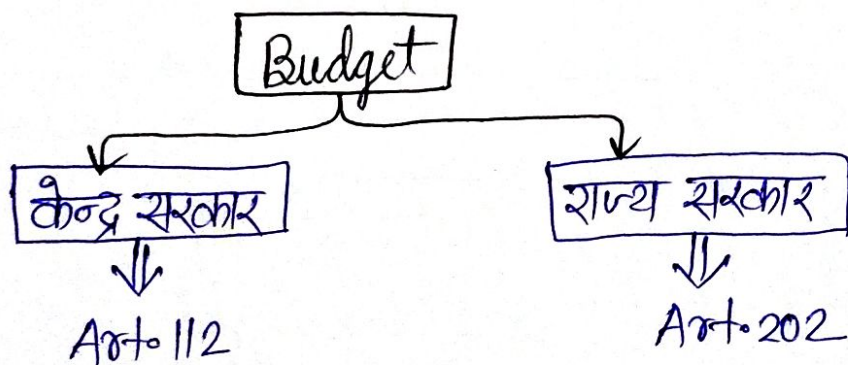


Public Finance (सार्वजनिक वित्त)



Budget (बजट)

- बजट शब्द एक फ्रेंच शब्द "Bougette" से लिया गया है जिसका अर्थ होता है एक चमड़े का थैला।
- बजट एक वार्षिक वित्तीय विवरण है जो आने वाले वित्तीय वर्ष हेतु सरकार अपने अनुमानित व्यय एवं अनुमानित राजस्व को दर्शाती है।
- बजट एक आने वाले वित्तीय वर्ष हेतु सरकार के राजस्वों एवं व्ययों का एक Blue print है।

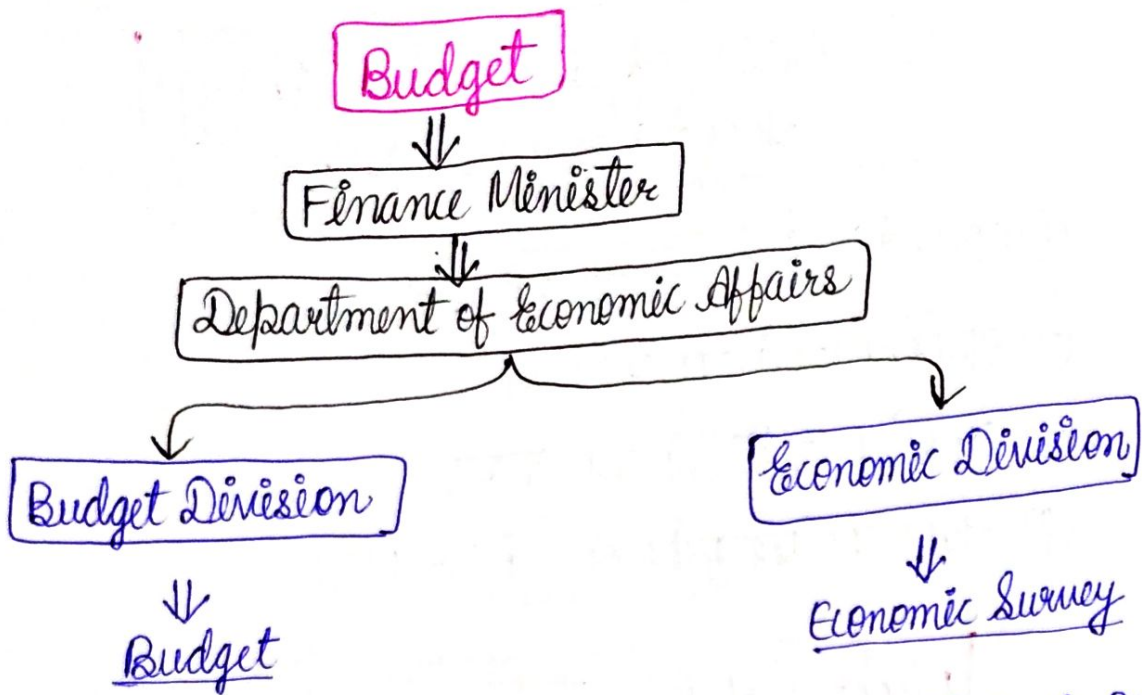


Process of Budget Making बजट को बनाने की प्रक्रिया

- ① राजस्वों एवं व्ययों का आकलन
- ② वजतीय दायों का आकलन
- ③ वजतीय दायों को कम करना
- ④ बजट का प्रस्तुतीकरण एवं अनुमोदन

Process of Presentation & Approval of Budget बजट की प्रस्तुतीकरण एवं अनुमोदन की प्रक्रिया

- ① बजट की प्रस्तुत करना
- ② आम चर्चा
- ③ विभागीय समितियों द्वारा जॉय
- ④ अनुदान माँगों पर मतदान
 - Policy Cut Motion (बजट की माँग घटाकर ₹1)
 - Economy Cut Motion (बजट की माँग विशिष्ट राशि से कम)
 - Token Cut Motion (बजट की माँग घटाकर ₹100 कम कर देना)
- ⑤ विनियोग विधेयक पारित करना (अ.सं.-॥४)
- ⑥ वित्त विधेयक पारित करना (अ.सं.-॥७)



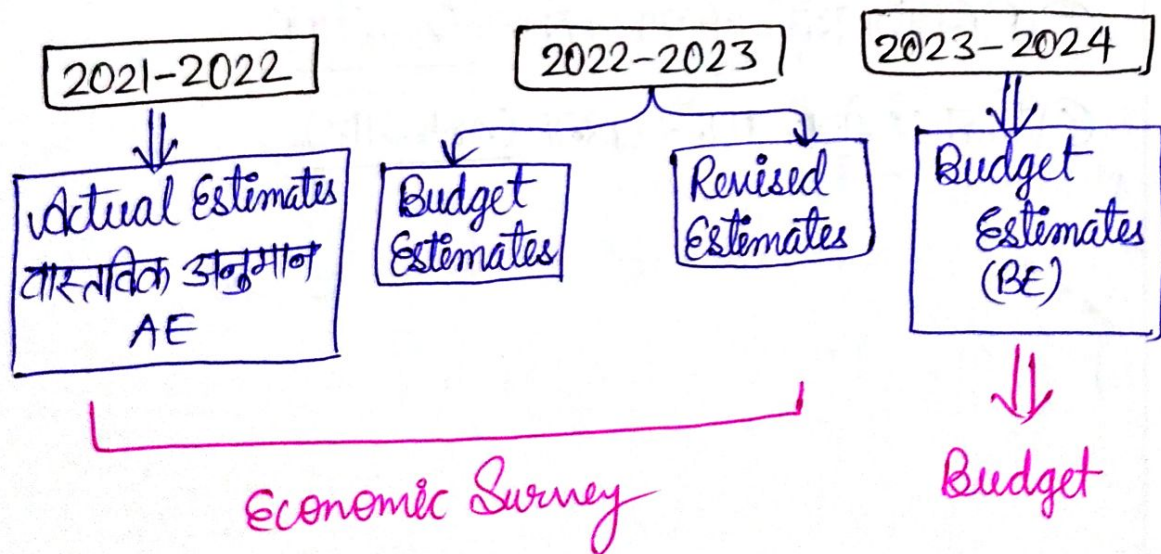
प्रत्येक वर्ष के बजट में सरकार तीन विभिन्न वर्षों के आँकड़ों को प्रस्तुत करती है। जैसे -

(a) वो वित्तीय वर्ष जो पूर्ण हो चुका है - Actual Estimates (AE)

(b) वो वित्तीय वर्ष जिसमें बजट पेश हो रहा है।
- Budgetary Estimates (BE)

(c) एवं संशोधित अनुमान - Revised Estimates (RE)

(d) आने वाले वित्तीय वर्ष - Budgetary Estimates (BE)



Some historical facts of Indian Budget (भारतीय बजट के कुछ ऐतिहासिक तथ्य)

① भारत का प्रथम बजट → 7 Apr. 1860 - जेम्स विल्सन

② आजाद भारत का पहला बजट → 26 Nov. 1947
(R.K. शनमुखम चैट्टी)

③ गणतंत्र भारत का पहला बजट → 28 Feb. 1950
जॉन मथाई

④ 1950 तक बजट की राष्ट्रपति भवन में छपा जाता था लेकिन सीक होने के कारण इसे मिठरो रोड में छापने लगे। एवं 1980 में इसे स्थायी रूप से North Block (Finance Ministry) में छापने लगे।

● 1955-56 में सर्वप्रथम बजट को हिन्दी में छपा गया।

बजट को तीन PM द्वारा प्रस्तुत किया गया है।

(a) 1958-59 → पंडित जवाहरलाल नेहरू

(b) 1970-71 → Indira Gandhi

(c) 1987-88 → Rajeev Gandhi

● 1973-74 → Black Budget (by Y.V. Chavan)
(घाटा हुआ ₹ 550 Cr. का)

● Morarji Desai → 10 times (सर्वाधिक बार)

● पी० चिताम्बरम — 9 बार

प्रणब मुखर्जी — 8

यशवंत सिन्हा — 8

मनमोहन सिंह — 6

1992-93 → Liberalised Exchange Rate Management System
(उदारीकृत विनिमय दर प्रबंधन प्रणाली)
— By Manmohan Singh

1999 → बजट सुबह ॥ बजे पेश होने लगा ।
— यशवंत सिन्हा (पहले शाम को सबजे)

1991-92 → E-pochal Budget (युगीन बजट)
↳ मनमोहन सिंह
↳ यह बजट नए आर्थिक नीतियों अर्थात् उदारीकरण से संबंधित था ।

1997-98 → Dream Budget
— पी० चिन्मयम्
(करों को घटाया गया)

2000-2001 → Millennium Budget
यशवंत सिंह
(IT क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन)

2014 में बजट में परिवर्तन

- (a) रैल बजट आम बजट में शामिल हो गया ।
(1924 में Accountant समिति के अनुसार Rail Budget को आम बजट से विभाजित कर दिया गया ।)
- (b) बजट Feb. के प्रथम कार्य दिवस पर पेश होने लगा ।
(पहले Feb. के अंतिम कार्य दिवस पर)

2019-2020 → निर्मला शितामण ने बजट पेश किया
(यह भारत की दूसरी महिला तथा प्रथम
पूर्ण कार्यकारी महिला वित्त मंत्री)
→ "Vahé Khata"

2020-2021 → longest बजटीय भाषण (2hr. 42min.)
↓
निर्मला शितामण

2021-2022 → प्रथम कागज-रहित बजट

Budget

सरकार के राजस्व (Govt. Revenues)

← Revenue

राजस्व प्राप्तियाँ
(Revenue Receipts)

- 1 सभी प्रकार के कर
- 2 Tax, fines, licenses
- 3 उपहार एवं अनुदान
- 4 PSU की आय
- 5 दिव्य जाये नशों से प्राप्त व्याज
- 6 राजगामी परिसंपत्तियाँ (Escheats) claims
- 7 विविध निर्यात फीस
 - Band में 4-lane
 - Airport,
 - Railway

← Capital
पूंजीगत प्राप्तियाँ
(Capital Receipts)

① Borrowings
(ऋण)

आंतरिक ऋण

RBI
Public

बाहरी ऋण

IMF
WB
Foreign Country

② Disinvestment
(विविध)

③ Recovery of loans
(ऋण की वसूली)

सरकार के व्यय (Govt. Expenditure)

← Revenue

राजस्व व्यय
(Revenue Expenditure)

① छात्रवृत्ति, वृद्धावस्था पेंशन, बरेलगासी इतने

② सार्वसदी

③ निचोड़ ऋणों का व्याज भुगतान (केवल व्याज 1-connection)

④ Laws & Order पर व्यय

⑤ अस्पतालों, विद्यालयों के कर्मचारियों का वेतन

⑥ राज्यों को अनुदान

⑦ सेना के कार्यों पर व्यय

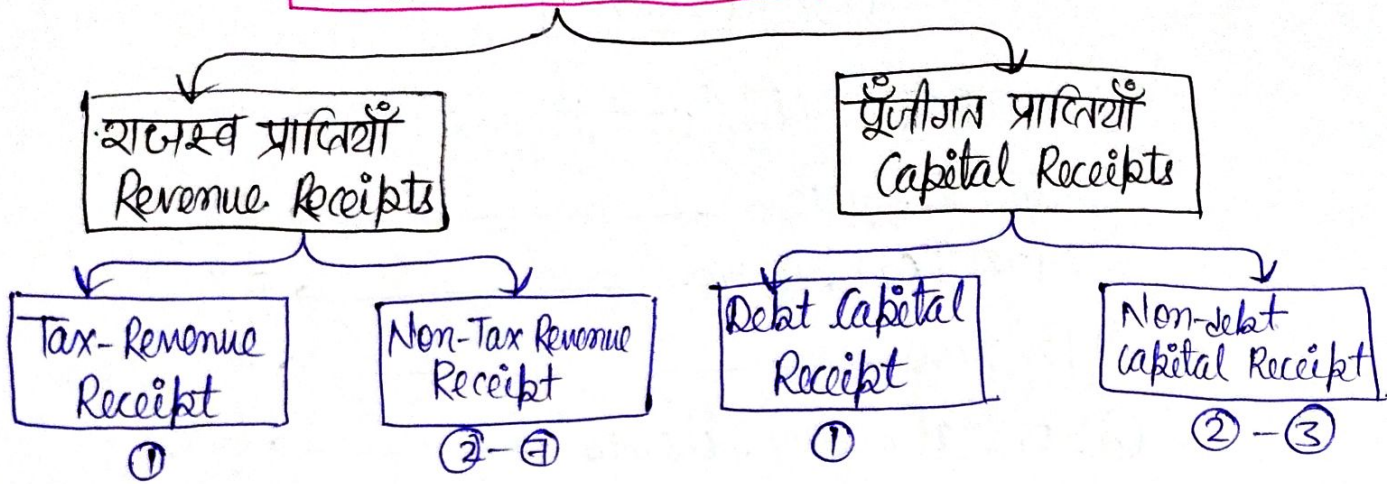
← Capital

पूंजीगत व्यय
(Capital Expenditure)

① सड़क, बाँध, पुल, स्कूल, अस्पताल के निर्माण पर व्यय

② निचोड़ ऋणों को वापस करना

Government Revenues (सरकार के राजस्व)



Budget 2023 - 24

रक्या कहाँ से आता है ?

- ① निगम कर (Corporate tax) → 15%
- ② आय कर (Income tax) → 15%
- ③ सीमा शुल्क (Custom duty) → 4%
- ④ केन्द्र उत्पादन शुल्क (Union Excise duty) → 7%
- ⑤ GST → 17%
- ⑥ गैर-कर प्राप्ति (Non-tax Receipts) → 6%
- ⑦ ऋण (Borrowing) → 34%
- ⑧ गैर ऋण पूंजी प्राप्ति → 2%

NOTE ▶ सर्वाधिक राजस्व वाला कर → GST
राजस्व प्राप्ति → 64%
पूंजीगत प्राप्ति → 36%

रूपथा कहाँ जाता है?

Budget 2023-24

- ① ऋण भुगतान (Interest Payment) → 20%.
- ② सेना (Defence) → 8%
- ③ सब्सिडी (Subsidy) → 7%
- ④ Pension → 4%
- ⑤ Central Sector Schemes → 17%.
- ⑥ केन्द्रीय प्रायोजित योजनाएँ → 9%.
- ⑦ करों एवं शुल्कों में राज्यों का हिस्सा → 18%.
- ⑧ वित्त आयोग और अन्य ट्रान्सफर → 9%.
- ⑨ अन्य व्यय → 8%

NOTE (i) बजट 2023-24 में सर्वाधिक व्यय → ऋण भुगतान (20%)

(ii) 2023-24 → कुल बजट → ₹ 450,3097 Cr.

(iii) 2022-23 → कुल बजट → ₹ 394,4909 Cr.

Types of Budgeting Techniques

बजट बनाने के तकनीकों के प्रकार

① Line-item based budgeting :-

जब सरकार आने वाले वित्तीय वर्ष के बजट को पूर्व वर्षों के आधार पर तैयार करती है।

② शून्य आधारित बजटिंग (Zero based budgeting) :-

- सर्वप्रथम US में लाया गया।
- इसे पीटर फिर के द्वारा 1969 में दिया गया।
- भारत में इसे सर्वप्रथम 1983 में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रयोग किया गया।
- भारत में इसे सर्वप्रथम राजीव गाँधी की सरकार ने 1986-87 के बजट में प्रयोग किया था।
- इस प्रकार की वजतीय तकनीक में बजट को बिना किसी आधार के नए सिरे से निर्मित किया जाता है।
- इस प्रकार के बजट में बजट बनाने समय सभी खर्चों का मूल्यांकन नए सिरे से किया जाता है। एवं पूर्व वर्षों के बजट को नहीं देखा जाता है।

③ Gender-based budgeting :-

- इस प्रकार की वजतीय तकनीक में सरकार महिलाओं को सशक्त करने पर बल देते हैं। अर्थात् जब सरकार लिंग असमानता को कम करने के दृष्टिकोण से बजट तैयार करती है।
- भारत में इसका प्रयोग बजट 2005-06 में किया गया था।
- विश्व में इसका प्रयोग सर्वप्रथम → Australia (1984)

④ परिणाम आधारित बजटिंग (Outcome based Budgeting):-

- इसे सूक्ष्म स्तरीय बजटिंग भी कहते हैं। — Micro
- जब सरकार अलग-अलग विभागों और मंत्रालयों के स्तर पर बजट बनाती है।
- इसे भारत में सर्वप्रथम 2005-06 में प्रयोग किया गया था।
इसका सत्यापन वित्त मंत्रालय एवं नीति आयोग द्वारा होता है।

⑤ प्रदर्शन आधारित बजटिंग (Performance-based budgeting)

- इसे वृहद् / व्यापक स्तरीय (Macro level) बजट भी कहते हैं।
अर्थात् जो बजट वित्त मंत्रालय द्वारा संपूर्ण भारत के लिए बनाया जाता है।
- इसका सर्वप्रथम प्रयोग US ने कृषि क्षेत्र में 1949 में
ऑपर कमीशन की सिफारिशों द्वारा किया था।

• इसका **NOTE** →

पहले भारत के बजट में खर्चों को विकास व्यय एवं गैर विकास व्यय के रूप में संदर्भित किया जाता था।

Sukhmay Chakravorty - 1985

नियोजित व्यय
(Planned Expⁿ)

गैर नियोजित व्यय
(Non-planned Expⁿ)

C. Rangarajan समिति - 2011

राजस्व व्यय
(Revenue Expenditure)

पूंजीगत व्यय
(Capital Expenditure)

- 2016 में भारत सरकार ने घोषणा की कि नियोजित एवं गैर नियोजित व्यय को खत्म करके राजस्व व्यय एवं पूँजीगत व्यय में वर्गीकृत किए जाएँगे एवं इसमें 2018 में लागू - किया गया।
(2017-18)

नियोजित व्यय
(Planned Expenditure)

वह व्यय जो FYP पर आधारित होते हैं।

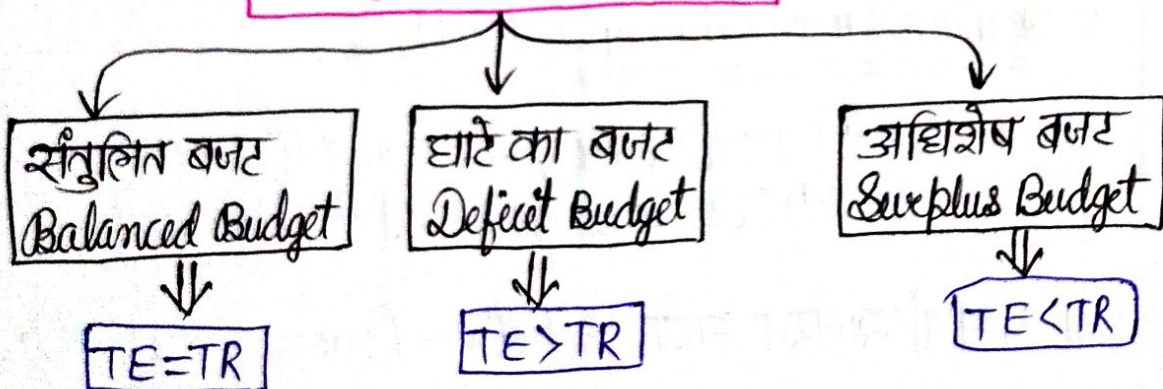
विजली, पानी, प्रेषण, परिवहन, कृषि आदि पर व्यय।

गैर नियोजित व्यय
(Non-planned Expenditure)

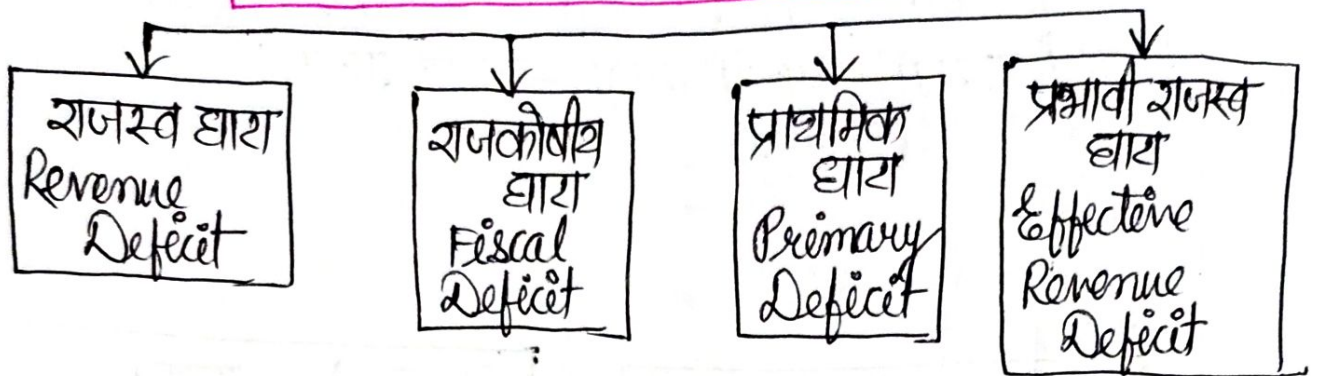
वह व्यय जो FYP पर आधारित नहीं होते हैं।

रक्षा की सेवाओं पर व्यय, व्याज भुगतान, प्रशासनिक सेवाओं, पेंशन, सलिसी आदि।

Types of Budget (बजट के प्रकार)



Types of Budget Deficit (बजट घाटे के प्रकार)



राजस्व घाटा (Revenue Deficit) :-

राजस्व प्राप्तियाँ < राजस्व व्यय

राजकौषीय घाटा (Fiscal Deficit) :-

कुल व्यय > कुल राजस्व (ऋणों को छोड़कर)

प्राथमिक कुल व्यय > राजस्व प्राप्तियाँ - गैर ऋण पूँजीगत प्राप्तियाँ

$$FD = TE - RR - NDCR$$

प्राथमिक घाटा (Primary Deficit) :-

राजकौषीय घाटा (ऋण) - व्याज भुगतान

FD (borrowings) - Int. Payment

प्रभावी राजस्व घाटा (Effective Revenue Deficit) :-

2011 से (v. Chetambaram)

राजस्व प्राप्तियाँ > राजस्व व्यय - GTS

राजस्व घाटा - GTS.

घाटे संबंधी आँकड़े (Deficit Statistics)

(केंद्र बजट 2023-2024 के घाटे)

	2021-2022 Actual Estimate (AE)	2022-2023 Budget Estimate (BE)	2022-2023 Revised Estimate (RE)	2023-2024 Budget Estimate (BE)
राजकीय घाटा (Fiscal Deficit)	6.7	6.4	6.4	5.9
राजस्व घाटा (Revenue Deficit)	4.4	3.8	4.1	2.9
प्रभावी राजस्व घाटा (Effective Revenue Deficit)	3.3	2.6	2.9	1.7
प्राथमिक घाटा Primary Deficit	3.3	2.8	3.0	2.3

(बिहार बजट 2023-2024 के घाटे)

	2021-22 (Actuals)	2022-23 (BE)	2022-23 (RE)	2023-24 (BE)
Fiscal Deficit	3.8	3.5	8.8	3.0
Revenue Balance	-0.1	0.6	-3.6	0.5
(Primary Deficit)	1.7	1.3	6.7	0.8

Relationship between RDP & FD

राजकोषीय धारा एवं राजस्व धारा संबंध

① राजस्व धारा > राजकोषीय धारा

तब राजकोषीय धारे को पूरा करने के लिए सरकार जो ऋण लेगी वह पूर्ण रूप से राजस्व धारे को पूरा करने में प्रयोग होगा अर्थात् लिया हुआ ऋण, गैर विकास व्यय पर खर्च होगा।

② यदि राजकोषीय धारा > राजस्व धारा (FD > RD) :-

तब सरकार द्वारा राजकोषीय धारे को पूरा करने के लिए लिया गया ऋण देश के उत्पादनशील कार्यों अर्थात् पूँजीगत व्यय के लिये प्रयोग होगा।

③ यदि राजस्व धारा = 0

तब सरकार के द्वारा लिए गये ऋण पूर्णतः देश के पूँजीगत व्यय पर लगेंगे।

Advantages & Disadvantages of Fiscal Deficit

राजकोषीय घाटे के लाभ एवं हानियाँ

राजकोषीय घाटे के लाभ :-

- ① व्यय अधिक होगा
- ② मुद्रा की आपूर्ति में वृद्धि होगी।
- ③ सार्वजनिक निवेशों में वृद्धि (Dams, पुल, सड़क आदि)
- ④ अधिक रोजगार के अवसर

राजकोषीय घाटे के नुकसान :-

- ① ऋण के जाल (यदि सरकार राजस्व घाटा को पूरा करने के लिए ऋण लेती है तब सरकार ऋण के जाल में फँसती चली जाती है।)
- ② मुद्रास्फीति दर में वृद्धि
- ③ भुगतान संतुलन में असंतुलन
(यदि कोई देश राजकोषीय घाटे में है तब उसे विदेशी देशों से ऋण लेना होता है एवं यह भुगतान संतुलन पर दबाव डालता है।)
- ④ काउंटिंग ऑउट of private investment
निजी निवेश को बाहर करना

यदि सरकार राजकोषीय घाटे को पूरा करने के लिए अधिक से अधिक ऋण लेती है तब वित्तीय संस्थानों अर्थात् बैंकों के पास निजी क्षेत्रों को ऋण देने के लिए कम मुद्रा होगी जिसके परिणामस्वरूप निजी क्षेत्रों को महँगे ऋण दरों पर ऋण उपलब्ध होगा एवं जिससे निजी क्षेत्र कम ऋण लेंगे एवं अर्थव्यवस्था में कम निवेश करेंगे।

Tax to GDP Ratio कर GDP अनुपात

$$\frac{\text{Tax}}{\text{GDP}} = \frac{10}{20} = 0.5 \quad \times$$

$$\frac{\text{Tax}}{\text{GDP}} = \frac{15}{20} = 0.75 \quad \checkmark$$

वित्त वर्ष 2021-22 $\rightarrow$ कर GDP अनुपात = 11.4% (DT=6%, IT=5.4%)

वित्त वर्ष 2022-23

BE

10.7%

RE

11.1%

वित्त वर्ष 2023-24 $\rightarrow$ 11.1% (DT=6%, IT=5.1%)

Fiscal Responsibility & Budget Management Act

FRBM Act - 2003

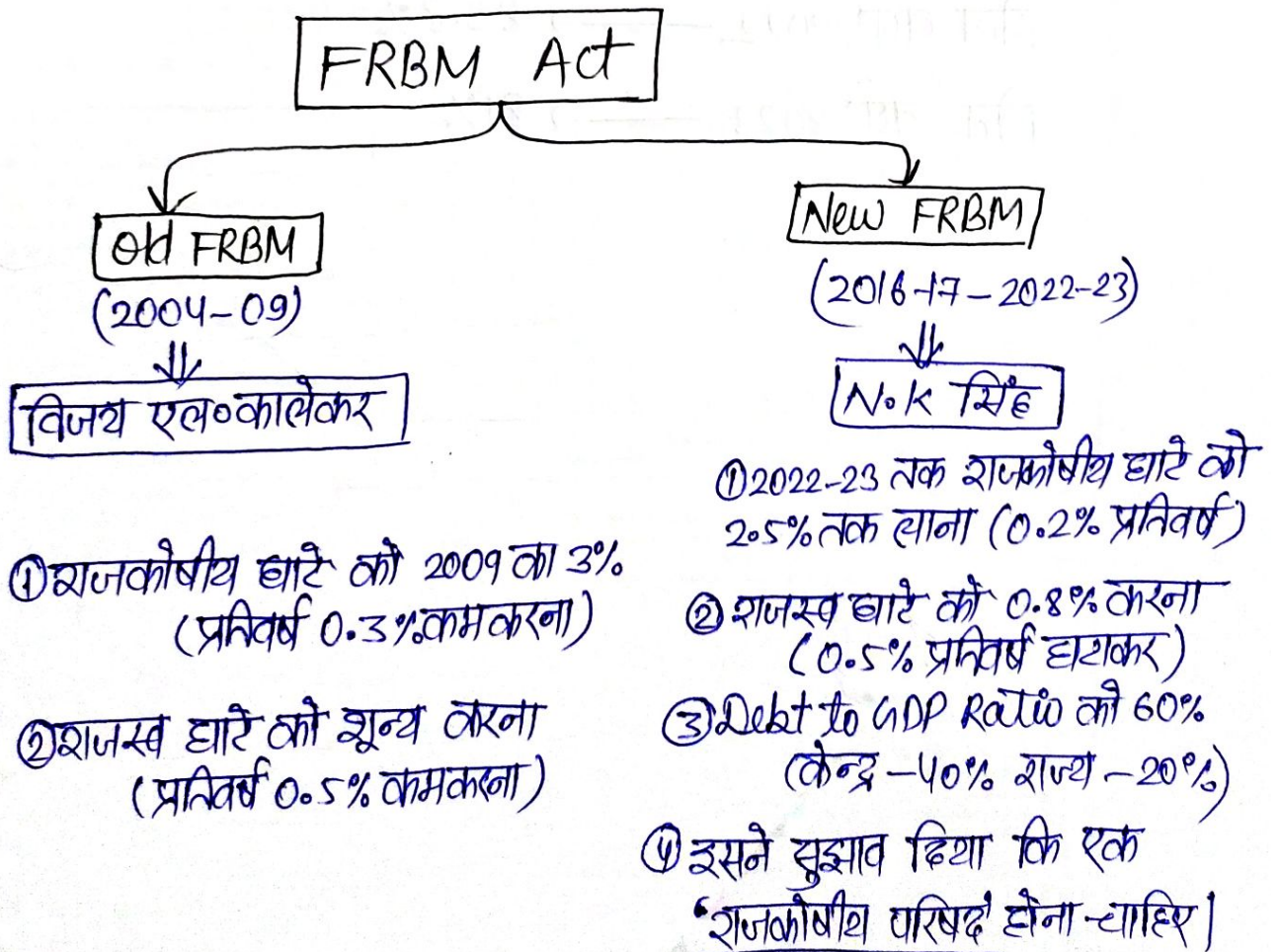
राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन

यह भारत में 2003 में पेश किया गया।

यह 5 Jul. 2004 से लागू हुआ।

FRBM के उद्देश्य :-

- ① राजकोषीय समेकन / राजकोषीय अनुशासन
(Fiscal consolidation)
- ② वृहद आर्थिक स्थिरता / व्यापक आर्थिक स्थिरता
(Macro Economic Stability)
- ③ राजकोषीय समेकन
- ④ मौद्रिक नीति एवं राजकोषीय नीति के बीच बेहतर समन्वय



Fiscal Council

- जिसका कार्य केन्द्र एवं राज्य और मौद्रिक नीति और राजकोषीय नीति के बीच समन्वय करना होगा।
NK Singh : —
- इसने सुझाव दिया कि FRBM का नाम बदलकर “प्रश्न प्रबंधन एवं राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन अधिनियम एवं नियम” देना चाहिए।

Debt to GDP Ratio प्रश्न GDP अनुपात

$$\text{Debt to GDP Ratio} = \frac{\text{प्रश्न}}{\text{GDP.}}$$

वित्त वर्ष 2021 → 88.5%

वित्त वर्ष 2022 → 83.8%

वित्त वर्ष 2023 → 81%